नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 01.01.2019

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज जंगल धूसड़, गोरखपुर में **''शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस''** पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कम्प्यूटर साइन्स विभाग के प्रभारी डॉ. विरेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि भारत में शोध प्रयोगशालाओं के जनक महान वैज्ञानिक डॉ. शान्ति स्वरूप भटनागर का सम्पूर्ण जीवन रसायन शास्त्र की सेवा एवं भारत में इसके प्रसार के लिए समर्पित रहा। डॉ. शान्ति स्वरूप भटनागर का जीवन विज्ञान के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियों से भरा हुआ है। डॉ. विरेन्द्र तिवारी ने बताया कि इन्होने यूनिवर्सिटी कालेज, लंदन से 1921 में रसायन शास्त्र के प्रोफेसर फ्रेड्रिक डोन्नान की देख रेख में विज्ञान में डाक्ट्रेट की उपाधि प्राप्त की। भारत लौटने के बाद उन्हे बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से प्रोफेसर पद हेतु आमन्त्रण मिला। ब्रिटिश सरकार द्वारा इन्हे नाइट हुड की उपाधि से सम्मानित किया गया। 1943 में इन्हे फेलो आफ रायल सोसाइटी चुना गया। इनके शोध विषय में इमल्सन्स, कोलाइड्स और औद्योगिक रसायन थे। इनका मैग्नेटो केमिस्ट्री के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रो. के. एन. माथुर के साथ मिलकर 'भटनागर–माथुर मैग्नेटिक इन्टरफेरेन्स बैलेंस' का आविष्कार किया। यह चुम्बकीय प्रकृति ज्ञात करने के लिए सबसे सम्वेदनशील यन्त्रों में एक था। जिसे रायल सोसाइटी द्वारा सराहना प्राप्त हुयी। स्वतंत्रता के पश्चात वैज्ञानिक एवं औद्योगिकी अनुसंधान परिषद की स्थापना के साथ–साथ दजर्नो शोध प्रयोगशालाओं की स्थापना डॉ. भटनागर के नेतृत्व में सम्मानित किया गया। सन 1954 में भारत सरकार द्वारा इन्हे पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। मरणोपरान्त वैज्ञानिक एवं औद्योगिकी अनुसंधान परिषद् द्वारा ' भटनागर पुरस्कार' का आरम्भ किया गया। जो विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ठ योगदान के लिए दिया जाता है।

कार्यक्रम में डॉ. अभिषेक सिंह, श्री विनय कुमार सिह, डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. शिवकुमार बर्नवाल सहित शिक्षक विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी